**North Lakhimpur College (Autonomous)**

**तीन वर्षीय स्नातक (हिंदी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)**

**Syllabus for the Hindi Core Programme of the Bachelor of Arts (B.A)**

**Programme in the semester system**

**हिन्दी (कोर)-सेमेस्टर-3rd**

**HINDI (core)-semester-3rd**

**Paper code-CT-4-HIN-301 (L-3, T-1, P-0)**

**Credit-4 (Classes -96) Total Marks : 80**

**प्राचीन एवं मध्य काव्य**

**इकाई-1 विद्यापति पदावली-संपादक-रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, (खने-खने नयन कोन अनुसरई, ए सखि पेखलि एक अपरूप, माधव कि कहब से बिपरीत); सूरदास-भ्रमरगीत: गोपी उद्धव संवाद, संपादक-रामचंद्र शुक्ल (खेलन हरि निकसे ब्रज खोड़ी, बोझत श्याम कौन तो गोरी, निर्गुण कौन देश के वासी, मधुवन तुम तत रहत हरे, देशियत कालिंदी अति कारी) । तुलसी-विनयपत्रिका-(राम जपु राम जपु राम जपु बावरे, रामदयालु दीनहूँ तू दानी हम भिखारी, अबलौ नसानी अब न नसा है, माधव तौ समान जग मोही, जाके प्रिय राम वैदेही)। कक्षाएं-30**

**इकाई-2 कबीर ग्रंथावली-श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन**

**पाठ- दुल्हिन गावहूँ मंगलाचार, हम न नरै मरिहैं संसारा, मन रे जागत रहिए भाई, हरि जननी मैं बालक तेरा, माधौ कब करिहौ दया,(पद-26) जागहु रे नर सोवहु कहा(37) कक्षाएं-18**

**इकाई-3 जायसी- विजयनारायण साही : पाठ्यांश:नागमती का विरह प्रसंग कक्षाएं-22**

**इकाई-4 रीतिकाव्य संग्रह-विजयनारायण सिंह-पाठ्यांश बिहारी- मेरी भाव बाधा हरो, बतरस ललस लाल की, नहिं परागु नहिं मधुर मधु, दुसज दुराजू प्रजानु बढ़े दुख, कहत नटत रिझत खिझत,**

**घनानन्द: अति सुधो सनेह को मारग है (3), पर काजहि देह कौं धारि फिरौ(9), आनाकानी-आरसी निहारिबौ करौगे (13), पहिले अपनाय सुजान सनेह को(16)**

**भूषण: तेरो तेज, सरजा समरथ दिनकर सौ(1), इंद्र जिमि जंभ पर (2), चकित चकत्ता चौकी उठै बार-बार(6), निकसत म्यान ते मयूखेँ प्रलै(8) कक्षाएं-26**

**सन्दर्भ ग्रंथ:**

* **विद्यापति-अनुशीलन एवं मूल्यांकन-डॉ वीरेंद्र श्री वास्तव ।**
* **काव्यांजलि-डॉ अलख निरंजन सहाय, महावीर पब्लिकेशन ।**
* **जायसी: विजयनारायण साही**
* **रीतिकाव्य संग्रह: विजयनारायण सिंह**